

दीक्षा पाठ्यचर्या – अष्टम दिवस

दिनांक 12-10-2023 दिन गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्विद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइन्सेस (आयुर्वेद कॉलेज) में दीक्षा पाठ्यचर्या के 8 वें दिन बी ए एम एस विद्यार्थियों को नारी सशक्तीकरण विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्रीमती शीलम बाजपेई, परियोजना एवं प्रशासनिक निदेशक समाधान अभियान एन जी ओ गोरखपुर ने कहा कि लैङ्गिक संवेदनशीलता एक ऐसा विषय है जिस पर हमारा समाज खुल कर बात करने से कतराता है घर पर माता पिता हों या विद्यालय में शिक्षक इस विषय पर बात करने से परहेज करते हैं जो कि गलत है आज आवश्यकता है खुल कर बात करने कि प्रत्येक लिंग के प्रति सम्मान का भाव रखने की। हमें एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जिसमें महिला हो या पुरुष प्रत्येक का अधिकार सुरक्षित रहे। हमारे समाज में हमें बचपन से एहसास कराया जाता है कि तुम लड़के हो तो नहीं सकते तुम लड़की हो तुम्हें घर के काम काज सीखना चाहिए आवश्यकता है इस विचारधारा को बदलने की इसकी शुरुआत हमें अपने घर से करनी चाहिए लिंग समानता के मूल्यों पर ध्यान देना चाहिए। इस जड़वादी दृष्टिकोण को समाप्त करने का यह महत्वपूर्ण साधन है। समाज में स्त्रीपुरुष संवेदनशीलता तभी संभव है जब स्त्री पुरुष एक दुसरे को समान इज्जत दे, पुत्र पुत्री की परवरिश में समानता रखे। उन्होंने इण्डिया पेस्टीसाइड लिमिटेड और समाधान अभियान के साझा प्रयास चुप्पी तोड़ हल्ला बोल कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बताया की गोरखपुर और सिद्धार्थ नगर में भी बालमित्र केंद्र की स्थापना हो रही है। इस कार्यक्रम में आयुर्वेद कालेज के सभी विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।





